साप्ताहिक
निष्पक्ष...निर्भीक...निरंतर...
विश्वास का तीर
सपांदक- आयुष राजपूत
RNI.NO- MPHIN/2022/83636
वर्ष-03 | अंक-24 | भोपाल, प्रति शुक्रवार 26 अप्रैल 2024 | मूल्य-10 रूपयें | पृष्ठ-08

पहले चरण में कम वोटिंग से टेंशन में भाजपा हाईकमान

अमित शाह ने देर रात तक की चुनावी तैयारियों की समीक्षा, विधायकों की रिपोर्ट मंगाई

विश्वास का तीर

लोकसभा चुनाव प्रचार के बीच भाजपा के मुख्य रणनीतिकार गृह मंत्री अमित शाह गुरुवार रात भोपाल आए और देर रात तक मप्र की चुनावी तैयारियों की समीक्षा की। प्रदेश में पहले चरण में छिंदवाड़ा सहित 6 सीटों पर हुए मतदान में वोटिंग प्रतिशत कम रहने से भाजपा हाईकमान चिंतित हैं। यदि अगले चरणों में इसी तरह कम मतदान हुआ तो हर बूथ पर 370 वोट बढ़ाने और सभी 29 सीटें जीतने का टारगेट पूरा होना मुश्किल है।

बनेगा हर विधायक का रिपोर्ट कार्ड

शाह ने पहले चरण में कम मतदान पर नाराजगी जताई। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव और प्रदेशाध्यक्ष वीडी शर्मा सहित अन्य नेताओं को स्पष्ट शब्दों में कहा कि पार्टी के विधायक सक्रिय नहीं हैं। हर विधायक को बता दीजिए कि लोकसभा चुनाव के परिणाम के आधार पर रिपोर्ट कार्ड बनेगा और उसके आधार पर उनका राजनीतिक भविष्य तय होगा।

हर विधायक के बारे में जानकारी मंगाई

देर रात तक चली इस बैठक में अमित शाह ने पहले चरण में 6 सीटों पर हुई वोटिंग में विधानसभावार स्थिति पर भी बात की। भाजपा सूत्रों के अनुसार भाजपा का राष्ट्रीय नेतृत्व हर लोकसभा क्षेत्र में बूथ स्तर तक नेताओं और कार्यकर्ताओं की सक्रियता पर नजर रखे हुए है। हर विधायक के बारे में यह जानकारी इकट्ठा की जा रही है कि वह अपने क्षेत्र में कितना सक्रिय है और इनकी इस सक्रियता की तुलना 2023 के विधानसभा चुनाव में उनकी सक्रियता से की जा रही है।

नरोत्तम मिश्रा से ली न्यू ज्वाइनिंग की जानकारी

अमित शाह ने पार्टी की न्यू ज्वाइनिंग टोली के प्रभारी नरोत्तम मिश्रा से फोन पर पार्टी में अन्य दलों से आए नेताओं की जानकारी ली। उनसे राजगढ़ लोकसभा सीट को लेकर भी पूछा। नरोत्तम राजगढ़ लोकसभा के प्रभारी हैं। मिश्रा ने उन्हें बताया कि आज ही राजगढ़ में 2000 कांग्रेसियों ने भाजपा की सदस्यता ली है।

चुनिंदा नेताओं को बुलाया, बाकी से फोन पर बात की

अमित शाह को रात 8:30 बजे भोपाल पहुंचना था, लेकिन वे रात 11.45 बजे पहुंचे। स्टेट हैंगर पर मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव, लोकसभा चुनाव प्रभारी डॉ. महेंद्र सिंह, सह प्रभारी सतीश उपाध्याय और चुनाव समिति संयोजक हेमंत खंडेलवाल ने अमित शाह का स्वागत किया। शुरुआत में 10-15 नेताओं के उनसे मिलने की संभावना थी। कहा जा रहा था कि प्रदेश के शीर्ष नेतृत्व के अलावा वे लोकसभा चुनाव के लिए बने क्लस्टर प्रभारियों से भी मिलेंगे। लेकिन रात हो जाने से केवल मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव, संगठन महामंत्री हितानंद शर्मा और लोकसभा प्रभारी डॉ. महेंद्र सिंह व सह प्रभारी सतीश उपाध्याय से ही उनकी मुलाकात हुई।

गुना एवं राजगढ़ लोकसभा क्षेत्र में करेंगे सभाएं

अमित शाह कल यानी शुक्रवार को गुना और राजगढ़ में भाजपा प्रत्याशियों के पक्ष में चुनावी सभा को संबोधित करेंगे। गुना से केंद्रीय मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया और राजगण से रोडमल भाजपा प्रत्याशी हैं। शाह सुबह भोपाल से हेलिकॉप्टर से गुना लोकसभा क्षेत्र के पिपरई (जिला अशोकनगर) पहुंचेंगे। यहां वे गुना से बीजेपी के प्रत्याशी ज्योतिरादित्य सिंधिया के समर्थन में आयोजित जनसभा को संबोधित करेंगे। अशोकनगर की सभा के बाद वे राजगढ़ लोकसभा क्षेत्र के खिलचीपुर पहुंचेंगे। यहां वे बीजेपी प्रत्याशी रोडमल नागर के समर्थन में आयोजित जनसभा को संबोधित करेंगे।

7 मई को गुना राजगढ़ में मतदान

मप्र में तीसरे चरण में जिन 8 सीटों पर मतदान होना है। उनमें गुना, राजगढ़ के अलावा भिंड, मुरैना, ग्वालियर, सागर, विदिशा और भोपाल में वोटिंग होगी। राजगढ़ से पूर्व सीएम दिग्विजय सिंह कांग्रेस के उम्मीदवार हैं। गुना से ज्योतिरादित्य सिंधिया बीजेपी के टिकट पर चुनाव लड़ रहे हैं।

इन सीटों पर तीसरे चरण में चुनाव

लोकसभा सीट	बीजेपी प्रत्याशी	कांग्रेस प्रत्याशी
भिंड	संध्या राय	फूल सिंह बरैया
मुरैना	शिवमंगल सिंह तोमर	सत्यपाल सिंह सिकरवार
ग्वालियर	भारत सिंह कुशवाह	प्रवीण पाठक
गुना	ज्योतिरादित्य सिंधिया	यादवेन्द्र यादव
सागर	लता वानखेड़े	चंद्रभूषण सिंह बुन्देला
विदिशा	शिवराज सिंह चौहान	प्रतापभानु शर्मा
भोपाल	आलोक शर्मा	अरुण श्रीवास्तव
राजगढ़	रोडमल नागर	दिग्विजय सिंह

शिवराज बोले-पित्रोदा का बयान कांग्रेस का हिडेन एजेंडा

■कहा- विरोध के बाद, बचने का रास्ता ढूंढ रही कांग्रेस
■विवेक तन्खा बोले-सच बोलने का साहस तो हुआ

विश्वास का तीर

इंडियन ओवरसीज कांग्रेस के अध्यक्ष सैम पित्रोदा के विरासत टैक्स वाले बयान पर बीजेपी हमलावर है। पूर्व सीएम शिवराज सिंह चौहान ने कहा- सैम पित्रोदा सामान्य कांग्रेसी नहीं हैं। वे राहुल गांधी के गुरु हैं। अब जब देश में विरोध हुआ तो कांग्रेस ने बचने का रास्ता ढूंढा है। लेकिन, उनका हिडेन एजेंडा जनता के सामने आ गया है। शुक्रवार को पूर्व सीएम शिवराज सिंह चौहान ने भोपाल में अपने आवास पर मीडिया से चर्चा की। कहा- राहुल गांधी और सैम पित्रोदा गुरु और चेले हैं। सैम पित्रोदा स्वर्गीय राजीव गांधी के भी सलाहकार रहे हैं। सैम पित्रोदा जैसे लोग ही कांग्रेस को विचार देते हैं। जिसको कांग्रेस क्रियान्वित करती है। कांग्रेस अगर सत्ता में आई तो विरासत टैक्स लगा देगी। वे अमेरिका के उदाहरण देते हैं। अमेरिका जैसे देशों में यह प्रावधान है कि अगर मृत्यु हो जाए तो संपत्ति का 55त्न हिस्सा सरकार अपने पास ले लेगी। लेकिन, सैम पित्रोदा जी, यह अमेरिका नहीं भारत है। भारत की संस्कृति, भारत के जीवन मूल्य, भारत की परंपराएं अमेरिका की नहीं हैं। भारत, भारत है। यहां किसान हो या गरीब हो वह भी अपना पेट काट-काट कर थोड़े पैसे इसलिए बचाते हैं ताकि उनकी मृत्यु के बाद बच्चों के कुछ देकर जाएं। लेकिन कांग्रेस विरासत टैक्स लगाकर इस परंपरा को खत्म करना चाहती है।

इंदिरा गांधी के निधन के बाद राजीव गांधी ने यह टैक्स खत्म किया था

शिवराज सिंह चौहान ने कहा- यह टैक्स पहले था लेकिन जनता के दबाव में कांग्रेस ने इसको उस समय समाप्त किया था। जब स्वर्गीय इंदिरा गांधी नहीं रही थीं। शायद राजीव गांधी ने मां की संपत्ति उनको मिल जाए इसके लिए इसको हटाया होगा। लेकिन, कांग्रेस को देश के सामने यह स्पष्ट करना पड़ेगा कि उसके इरादे क्या हैं?

कांग्रेस जिस रास्ते पर चल रही, वो खतरनाक है

पूर्व सीएम ने कहा- कांग्रेस जिस रास्ते पर चल रही है वह भारत का रास्ता नहीं है। वो रास्ता खतरनाक है। कांग्रेस एक तरफ विरासत टैक्स लगाने की बात करती है तो दूसरी तरफ कहते हैं कि जाति के जनगणना मेरे जीवन का मिशन है। वे देश और समाज को बांटना चाहते हैं। आर्थिक सर्वेक्षण की बात होती है। इसके पीछे खतरनाक इरादे छिपे हुए हैं। वे इरादे जातियों में देश को बांटने के हैं। वे इरादे दलित, आदिवासी और ओबीसी के अधिकारों को बांट देने के हैं। भारत इसको कभी स्वीकार नहीं करेगा। देश की जनता इसको कभी स्वीकार नहीं करेगी। मैं स्पष्ट रूप से कांग्रेस से, सोनिया गांधी, राहुल गांधी से पूछना चाहता हूं कि केवल किनारा करने से काम नहीं चलेगा। उनके असली इरादे क्या हैं? वे जनता को बताएं। जातिगत जनगणना और आर्थिक सामाजिक और आरक्षण जैसे विषयों पर दलित, ओबीसी और आदिवासियों के अधिकारों को छीनना चाहते हैं। उनको जवाब देना होगा। जनता उनको माफ नहीं करेगी।

सांसद विवेक तन्खा बोले- सच बोलने का साहस तो हुआ

इधर, कांग्रेस सांसद विवके तन्खा ने शिवराज सिंह चौहान के आरोपों पर पलटवार किया है। कहा- बीजेपी में अब पीएम मोदी के खिलाफ सच बोलने का साहस तो किसी को हुआ। 2 दिन पहले मोदी जी कह रहे थे कि विरासत टैक्स राजीव गांधी जी ने अपनी संपत्ति बचाने के लिए लगाया था। आज पूर्व मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने साफ कर दिया कि यह टैक्स जनता के दबाव के चलते कांग्रेस सरकार ने सरकार ने हटाया था। देश जानता है कि कांग्रेस हमेशा जनहितैषी निर्णय लेती रही है। धन्यवाद शिवराज जी ...आपको सच बोलने के लिए। मेरे पिता की मृत्यु 1978 में हुई थी। तब एस्टेट ड्यूटी टैक्स लागू था। पूरे देश में उसका विरोध था। कांग्रेस और राजीव जी की सरकार ने इसका अंत किया।

सैम पित्रोदा ने यह कहा था

लोकसभा चुनाव के बीच %विरासत टैक्स% पर कांग्रेस और भाजपा आमने-सामने आ गई। इस बीच इंडियन ओवरसीज कांग्रेस के अध्यक्ष सैम पित्रोदा का भी इस पर एक बयान बुधवार को सामने आया।उन्होंने कहा कि भारत में विरासत टैक्स लगाने पर बहस होनी चाहिए। उन्होंने कहा कि अमेरिका में विरासत टैक्स लगता है। अगर किसी के पास 10 करोड़ डॉलर की संपत्ति है। उसके मरने के बाद 45त्न संपत्ति उसके बच्चों को मिलती है, जबकि 55त्न पर सरकार का मालिकाना हक हो जाता है। यह बड़ा ही दिलचस्प कानून है।

गोदाम में विस्फोट की जांच एनआईए करेगी; मलबे में अपनों को तलाश रहे लोग

कबाड़खाने के मालिक के घर पर चला बुलडोजर

विश्वास का तीर

जबलपुर में गुरुवार को कबाड़खाने में विस्फोट के बाद करीब 500 फीट ऊपर तक धुएं का गुबार उठा। इसका वीडियो भी सामने आया है। मामले की जांच ह्ढ्ढ (नेशनल इन्वेस्टिगेशन एजेंसी की टीम करेगी। रक्षा विभाग से संबंधित विस्फोटक पदार्थ होने की आशंका के चलते टीम आ रही है। विस्फोट खजरी-खिरिया बाइपास पर मोहम्मद शमीम के कबाड़खाने के गोदाम में हुआ। मलबा हटाने का काम जारी है। कल दो शव मिले थे। मृतकों की संख्या बढ़ सकती है। विस्फोट के बाद लापता हुए लोगों के इंतजार में परिजन घटनास्थल पर बैठे हैं। एनडीआरएफ और नगर निगम की टीम मलबा हटा रही है। कबाड़ी मोहम्मद शमीम के सैफी नगर स्थित पर पुलिस प्रशासन की टीम पहुंची है। तीन जेसीबी से बिल्डिंग के सामने का हिस्सा तोड़ा जा रहा है। बताया जा रहा है कि मोहम्मद शमीम ने शहर के कई इलाकों में बड़ी-बड़ी बिल्डिंग बनवा रखी हैं।

प्रत्यक्षदर्शी बोले- जीवन में पहली बार देखा ऐसा ब्लास्ट

प्रत्यक्षदर्शी जमाल अख्तर बेग ने बताया कि गुरुवार को दोपहर करीब 12 बज रहे थे। घर में बेटा, बहू, नाती और पत्नी मौजूद थे। अचानक तेज धमाका हुआ। ऐसा लगा कि पूरी जमीन हिल गई। हम सभी लोग अपनी जान बचाते गेट की तरफ भागे। घर के बाहर आकर देखा तो खिड़की के कांच टूट चुके थे। चारों तरफ कांच फैले थे। जमीन पर दरारें आ गई हैं।

पलटकर देखा, तो सामने वाले गोदाम में तेज धुआं, धूल का गुबार निकल रहा था।

धमाके से डेयरी की भैंस भागने लगी

महेंद्र पटेल ने बताया कि धमाके की आवाज 5 किलोमीटर तक गूंजी। यहां आकर देखा तो इलाके में सीट के टुकड़े फैले थे। पता चला कि कबाड़खाने में विस्फोट हुआ है। धमाके कि आवाज से दो भैंस रस्सी तोड़कर भाग गईं, जिन्हें मुश्किल से पकड़ा गया। महेंद्र पटेल का कहना है कि इस गोदाम में क्या होता है, क्या नहीं, किसी को नहीं पता। स्थानीय लोगों का कहना हैं कि ये प्रशासन की यह बड़ी चूक है। इस ओर कभी ध्यान नहीं दिया कि आखिर इसकी जेल जैसी दीवार क्यों बनाकर रखी हैं।

गोदाम मालिक परिवार समेत फरार, सुपरवाइजर पकड़ाए

अभी तक मिले दो शवों में से एक की पहचान ग्राम इंद्राना निवासी भोला के रूप में हुई है, जबकि एक शव की शिनाख्त नहीं हो पाई है। मोहम्मद खलील नाम का शख्स लापता है। उसके परिजन घटनास्थल पर बैठे हैं। गोदाम मालिक मोहम्मद शमीम और उसके परिजन फरार हैं। पुलिस ने दो लोगों को हिरासत में लिया है। बताया जा रहा है कि दोनों लोग इसी कबाड़ में सुपरवाइजर का काम करते थे।

नगर निगम की स्क्रैप बसों को काटा जा रहा था

खजरी-खिरिया बाइपास पर मोहम्मद शमीम की रजा मेटल नाम की फैक्ट्री है। यहां कबाड़ का स्टॉक किया जाता था। जानकारी के मुताबिक फैक्ट्री में प्रतिदिन करीब 25 से 30 कर्मचारी काम करते थे। दो महीने से फैक्ट्री में 100 से अधिक स्क्रैप बस आई थी, जो कि नगर निगम की थीं। इन बसों को काटने का काम यहां पर दो महीने से चल रहा था। काम लगभग खत्म हो चुका था। इस वजह से कर्मचारियों के यहां आने की संख्या 8 से 10 हो गई थी। धमाके के बाद कुछ कर्मचारी तुरंत मौके से भाग गए थे।

वेयरहाउस बंद हुआ तो खुल गया कबाड़खाना

जानकारी के मुताबिक मोहम्मद शमीम ने करीब 15 साल पहले वेयर हाउस बनवाया था। बैंक से लोन भी लिया था। कुछ साल तक तो वेयरहाउस चला, लेकिन इसे बाद में बंद कर दिया गया। इसके बाद यहां पर कबाड़ का व्यवसाय होने लगा। खास बात यह है कि वेयरहाउस कब कबाड़खाना में बदल गया, इसकी प्रशासन ने जानकारी भी नहीं ली। करीब दो साल से वेयरहाउस की जगह कबाड़खाना चल रहा था। बाकायदा बोर्ड भी लगा था।

कुख्यात बदमाश है मोहम्मद शमीम

कबाड़ का व्यवसाय करने वाला मोहम्मद शमीम व्यापारी के साथ-साथ शहर का बड़ा बदमाश है। हिस्ट्रीशीटर शमीम कबाड़ी लंबे समय से चोरी के वाहन बस, ट्रक, क्रेन, चार पहिया, दो पहिया वाहन सहित शासकीय संपत्ति को अपने कबाड़खाने में कटवाकर बेचता था, जिससे शासन को करोड़ों रुपए की क्षति होती है। दो साल पहले भी आरपीएफ ने रेल पटरी चोरी के मामले पर मोहम्मद शमीम को गिरफ्तार किया गया था।

आलेख

विरासत टैक्स एवं निजी सम्पत्ति सर्वे पर संकट में घिरी कांग्रेस

लोकसभा चुनाव में कांग्रेस जनता के बीच जिस तरह के मुद्दों को लेकर चर्चा में हैं, उनमें देश विकास से अधिक मुक्त की रेवड़िया बांटने या अतिश्योक्तिपूर्ण सुविधा देने की बातें हैं तो 'विरासत टैक्स' के नाम पर जनता की गाड़ी कमाई को हड़पने के सुझाव है। ऐसी विरोधीभासी सोच एवं योजनाएं कांग्रेस की अपरिपक्व एवं स्वार्थप्रेरित राजनीति को ही उजागर करती है। इंडिया ओवरसीज कांग्रेस के अध्यक्ष एवं राहुल गांधी के विश्वस्त सलाहकार सैम पित्रोदा ने चुनावी समर में अपने ताजा बयान में विरासत टैक्स की वकालत की है। उन्होंने अमेरिका में लागू इस टैक्स की पैरवी करते हुए भारत के लिये उपयोगी बताया। सैम ने अपने बयान पर विवाद बढ़ता देख सफाई दी है, तो कांग्रेस ने इस बयान से खुद को अलग कर लिया है। लेकिन राजनीति की इन कुचालों एवं ऐसे बयानों में कांग्रेस का इरादा जनता की मेहनत की कमाई की संगठित लूट और वैध लूट ही नजर आता है। सैम पित्रोदा के बयान में कांग्रेस की सोच एवं संकल्प ही नहीं दिखा बल्कि कांग्रेस की भावी योजनाओं की परतें भी खुली है। भले ही इस बयान ने कांग्रेस के लिए मुश्किलें बढ़ा दी हो, लेकिन जनता को मूर्ख समझ हर बार हंगामा खड़ा करना कांग्रेस की नीति एवं नियत रही है। सैम ऐसे ही विवादास्पद बयानों से पूर्व में भी चर्चा में रहे हैं। अमेरिका में विरासत टैक्स जैसी अनेक स्थितियां एवं कानून हैं जो भारत में नहीं है क्योंकि हर देश की अपनी स्थितियां होती है। सैम के इस बयान ने इसलिए तूल पकड़ लिया, क्योंकि कांग्रेस ने अपने घोषणा पत्र में लोगों की संपत्ति के सर्वे का वादा किया है। इसकी व्याख्या भाजपा पहले से ही इस रूप में कर रही है कि कांग्रेस लोगों की संपत्ति का आकलन करके संपन्न-सक्षम लोगों की संपदा का एक हिस्सा लेने का इरादा रखती है।

चूंकि सैम पित्रोदा का कथन कुछ इसी ओर संकेत करता दिख रहा था, इसलिए भाजपा ने नए सिरे से उनके बयान को मुद्दा बना दिया। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने तो कहा जब तक आप जीवित रहेंगे, तब तक कांग्रेस आपको ज्यादा टैक्स से मारेगी और जब जीवित नहीं रहेंगे, तब आप पर विरासत का बोझ लाद देगी।' कांग्रेस की लूट जिन्दगी के साथ भी और जिन्दगी के बाद भी कह कर मोदी ने कांग्रेस को निशाने पर लिया है। गृह मंत्री अमित शाह ने भी यह कह दिया कि यदि कांग्रेस वैसा कुछ करने का नहीं सोच रही है, जैसा सैम पित्रोदा कह रहे हैं तो वह अपने घोषणा पत्र से संपत्ति के सर्वेक्षण वाली बात हटाए।' निश्चित ही कांग्रेस की संपत्ति के सर्वेक्षण की बात में गहरे अर्थ, संदेह एवं शंकाएं निहित हैं। राजननेताओं के बयानों पर राजनीति होना लोकतंत्र का एक हिस्सा है, लेकिन जनता के हितों पर आघात करना दुर्भाग्यपूर्ण है। लोकतन्त्र में सतत् रूप से अमीर-गरीब का विमर्श चलता रहता है, गरीबों के हित की बात करके अधिसंख्य मतदाताओं को लुभाना राजनीतिक चतुराई है, लेकिन जनता को बांटना एवं अलग-अलग खेमों में खड़ा करना, लोकतंत्र को कमजोर करता है। मगर भारत का मतदाता अब इतना सुविज्ञ एवं समझदार हैं कि वे राजनेताओं की मंशा को समझकर उस समय आगे बढ़कर नेतृत्व खुद संभाल लेते हैं जब नेतागण अपना पथ भूल जाते हैं। भारत के चुनावों का इतिहास इसका गवाह रहा है। इसलिए राजनैतिक विमर्श चाहे जितना गर्त में चला जाये मगर मतदाता की सूझबूझ, जागरूकता एवं विवेक कभी मंद नहीं पड़ती। भले ही सैम पित्रोदा अमेरिका का उदाहरण देकर उस पर भारत में बहस की जरूरत जता रहे थे, लेकिन उन्हें गलत समय ऐसा उदाहरण नहीं देना चाहिए था, जो तथ्यात्मक रूप से पूरी तरह भारत की परिस्थितियों के लिये सही न हो और जिसके विवाद का विषय बनने की भरी-पूरी संभावनाएं हो। यह तो कांग्रेस ही जाने कि वह संपत्ति के सर्वे के जरिये क्या हासिल करना चाहती है, लेकिन इससे इन्कार नहीं कि देश में आर्थिक असमानता कम करने की आवश्यकता है। इसके बाद भी इस आवश्यकता की पूर्ति न तो वामपंथी सोच वाले तौर-तरीकों से की जा सकती है और न ही उन उपायों से, जो समाज में विभाजन पैदा करें। जो भी निर्धन-वंचित हैं या सामाजिक-आर्थिक रूप से पिछड़े हैं, उनके उत्थान की अतिरिक्त चिंता की जानी चाहिए, लेकिन बिना उनका जाति, मजहब देखे, बिना विभाजन की राजनीति को किये। सैम पित्रोदा, राजनीति की दुनिया में यह नाम कोई नया नहीं है, कांग्रेस के शासन में तकनीकी एवं आधुनिक विकास के वे पुरोध रहे हैं। इंदिरा गांधी, राजीव गांधी और मनमोहन सिंह के सलाहकार रह चुके पित्रोदा इस समय राहुल के खास लोगों में से एक हैं। पित्रोदा अपने काम से कम अपने बयानों के चलते ज्यादा चर्चे में रहते हैं। उनके बयान अक्सर कांग्रेस के लिए भी सरदर्द बनते रहे हैं। पित्रोदा के अनेक बयान पहले भी विवाद एवं कांग्रेस के सिरदर्द की वजह बन चुके हैं। साल 2019 में ही उन्होंने एक टीवी इंटरव्यू में कहा कि मिडिल क्लास को स्वार्थी नहीं होना चाहिए। उन्हें अधिक से अधिक टैक्स देने के लिए तैयार रहना चाहिए। मध्यमवर्गीय परिवार को रोजगार और अधिक अवसर मिलेंगे। इस बयान ने भी कांग्रेस की मुश्किलें बढ़ाई थीं और पार्टी को डैमेज कंट्रोल करना पड़ा था। पित्रोदा यहीं नहीं रुके, उन्होंने 2019 के ही पुलवामा हमले पर कहा था कि ऐसे हमले तो होते रहते हैं, मुंबई में भी हमला हुआ था। निश्चित ही कांग्रेस के शासन में ऐसे हमले एवं साम्प्रदायिक दंगे होते ही रहते थे। उन्होंने बालाकोट एयरस्ट्राइक ऑपरेशन पर सबूत मांगे थे। सैम पित्रोदा के बयान एवं कांग्रेस के घोषणा पत्र के निजी सम्पत्ति सर्वे की बात में अवश्य ही रिश्ता है, जिसने पूरे देश के सामने कांग्रेस का मकसद स्पष्ट कर दिया है कि निजी संपत्ति का सर्वे कर निजी संपत्ति को सरकारी खजाने में डालकर वह इस धन को अपने वोट बैंक में बांटना चाहती है। ऐसी योजना यूपीए सरकार में तय भी हुई थी ।

संपादकीय

देश को संदेश देने में नाकाम रही विपक्ष की रांची रैली

विपक्षी दलों की झारखंड की राजधानी रांची में हुई महारैली देश को कोई स्पष्ट संदेश नहीं दे सकी। हांलाकि इससे बड़ी उम्मीद थी। उम्मीद थीं कि राजनैतिक दल अपने चुनाव घोषणा पत्र अब तक प्रस्तुत कर चुके हैं। इस रैली में वे कॉमन मिनीमम कार्यक्रम जारी कर सकतें हैं किंतु ऐसा कुछ नही हुआ। हर बार की तरह सिर्फ भाषण तक ही सीमित रही रैली। झारखंड की राजधानी रांची में विपक्षी गठबंधन इंडिया ने उलगुलान न्याय महारैली का नाम दिया गया है। इस दौरान मंच में बड़े-बड़े दिग्गज नेता मौजूद रहे। इसके साथ ही मंच पर दो खाली कुर्सियां रखी गईं। एक जेल में बंद दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल के लिए और दूसरी झारखंड के पूर्व मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन के लिए। उनकी जगह केजरीवाल की पत्नी सुनीता केजरीवाल और झारखंड के पूर्व मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन की पत्नी कल्पना सोरेन ने मंच साझा किया। भारी संख्या में लोग रैली में पहुंचे रैली के दौरान भीड़ ने जेल का ताले टूटेंगे, हेमंत सोरेन छूटेंगे और झारखंड झुकेगा नहीं जैसे नारे लगाए। झारखंड की राजधानी का तापमान 40 डिग्री सेल्सियस के आसपास होने के बावजूद भारी संख्या में लोग रैली में शामिल हुए। चिलचिलाती गर्मी के बीच सभी रैली के समर्थन जुटे रहे। उलगुलान शब्द, जिसका अर्थ क्रांति है। इसे आदिवासियों के अधिकारों के लिए अंग्रेजों के खिलाफ बिरसा मुंडा की लड़ाई के दौरान गढ़ा गया था। हेमंत सोरेन को कथित भूमि धोखाधड़ी से जुड़े मनी लॉन्ड्रिंग मामले में प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने 31 जनवरी की रात को गिरफ्तार किया था। इसी केंद्रीय एजेंसी ने 21 मार्च को अरविंद केजरीवाल को शराब नीति घोटाले से जुड़े मामले में गिरफ्तार भी किया था। हालांकि, झामुमो के कार्यकारी अध्यक्ष और आप सुप्रीमो के लिए कुर्सियां खाली रखी गई थीं, लेकिन उनकी पत्नियां कल्पना सोरेन और सुनीता केजरीवाल मंच पर बैठी थीं। कल्पना सोरेन और सुनीता केजरीवाल का भाषण मुख्यत: अपने पतियों की गिरफ्तारी के विरोध में था। दोनों का दावा था कि उनके पतियों को केंद्र की मोदी सरकार ने गलत ढंग से गिरफ्तार कराया हुआ है। केंद्र की मोदी सरकार विपक्ष की आवाज दबा देना चाहती है। इसके लिए सबको एकजुट होना होगा। रैली में नेताओं का यह भी आरोप था कि केंद्र में भाजपा फिर लौटी तो देश से लोकतंत्र खत्म हो जाएगा। रैली में शामिल नेताओं ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर लगातार झूठ बोलने, गारंटी के नाम पर लोगों को ठगने, लोकतंत्र को कमज़ोर करने और जुमलों के सहारे राजनीति करने के आरोप लगाए। नेताओं ने कहा कि देश में बेरोज़गारी चरम पर है और प्रधानमंत्री मोदी का हर साल दो करोड़ नौकरियों का वादा हवा में घूम रहा है।

महिलाओं ने पुलिस पर फेंकी चूड़ियां

सागर में युवक की मौत के बाद चक्काजाम

विश्वास का तीर

सागर के रहली में मारपीट में युवक की मौत के बाद शुक्रवार दोपहर 12 बजे परिजन ने चक्काजाम कर दिया। उन्होंने पुलिस पर कार्रवाई में पक्षपात करने का आरोप लगाया। महिलाओं ने पुलिस पर चूड़ियां फेंकी। समझाइश के बाद चक्काजाम खत्म कर दिया गया। लेकिन मृतक की मां अड़ी रही। जांच के आश्वासन के बाद शाम 4 बजे प्रदर्शन खत्म हुआ। पुलिस के अनुसार पंडलपुर के रहने वाले आशिक जलील ने शिकायत की है। उसने बताया कि गुरुवार रात वह घर से पान की दुकान पर जा रहा था। रास्ते में लालू उर्फ रविकांत ठाकुर मिला। वह गाली-गलौज करने लगा। इसी दौरान उसका भाई कपिल और पिता मुन्ना ठाकुर आ गए। तीनों ने मिलकर मेरे साथ मारपीट की। विवाद होते देख शाहरुख (24) ने बीचबचाव किया। आरोपी उसे पीटने लगे। मारपीट के बाद आरोपी भाग गए। शाहरुख को गंभीर चोट आई थी। उसे परिजन रहली अस्पताल लेकर पहुंचे। यहां से जिला अस्पताल रेफर कर दिया। रास्ते में शाहरुख की मौत हो गई।

पोस्टमॉर्टम के बाद शव रखकर चक्काजाम किया

शुक्रवार सुबह पुलिस ने पोस्टमॉर्टम कराकर शव परिवार को सौंप दिया। दोपहर में परिवार ने सड़क पर शव रखकर चक्काजाम कर दिया। भारी पुलिस बल मौके पर पहुंचा। पुलिस और प्रशासन के अधिकारियों ने प्रदर्शनकारियों को समझाइश दी। परिजन ने आरोप लगाते हुए कहा कि रातभर मृतक की मां और परिवार के लोग थाने में बैठे रहे, लेकिन पुलिस ने शिकायत नहीं लिखी। रहली थाना प्रभारी दबाव में काम कर रहे हैं।

पुलिस ने कुछ लोगों को हिरासत में लिया

एडिशनल एसपी लोकेश सिन्हा ने बताया कि मारपीट में युवक की मौत हुई है। शिकायत पर मामले में हत्या का प्रकरण दर्ज किया गया है। कुछ आरोपियों को हिरासत में लिया है। शेष आरोपियों की तलाश की जा रही है। कार्रवाई में किसी प्रकार की लापरवाही नहीं हुई है। चक्काजाम कर रहे लोगों को समझाइश दी गई है।

शाह बोले- दिग्विजय की राजनीति से परमानेंट विदाई करो

विश्वास का तीर

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह शुक्रवार को मध्यप्रदेश के दौरे पर थे। सबसे पहले अशोकनगर पहुंचे। यहां पर गुना सीट से भाजपा प्रत्याशी ज्योतिरादित्य सिंधिया के समर्थन में चुनावी रैली को संबोधित किया। उन्होंने कहा गुना वालों आपको दो-दो नेता मिलेंगे। ज्योतिरादित्य भी मिलेंगे और केपी यादव भी मिलेंगे। केपी यादव ने इस क्षेत्र की बहुत अच्छी सेवा की है, उनकी चिंता आप मुझ पर छोड़ देना, आपको कुछ करने की जरूरत नहीं है। अमित शाह ने कहा- गुना वालों आपका यह महाराज विकास को लेकर सबसे ज्यादा समर्पित है। सिंधिया घराने ने इस क्षेत्र का लालन-पालन अपने बच्चे जैसे किया है। मैं राजा साहब के लिए वोट मांगने आया हूं। सिंधिया मेरे मित्र भी हैं, भाजपा के वरिष्ठ नेता भी हैं। इन्हें जिताते हुए यह याद रखना, सिंधिया को दिया एक वोट नरेंद्र मोदी को जाएगा। इसके बाद वे दिग्विजय के गढ़ राजगढ़ के खिलचीपुर में चुनावी सभा करने पहुंचे। यहां पर बीजेपी प्रत्याशी रोडमल नागर के समर्थन में सभा को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि राजगढ़ को बंटाढार करना है क्या? दिग्गी राजा क्या मैंडेट मांगने आए थे। भागकर भोपाल चले गए, अब राजगढ़ आए हो। दिग्गी राजा

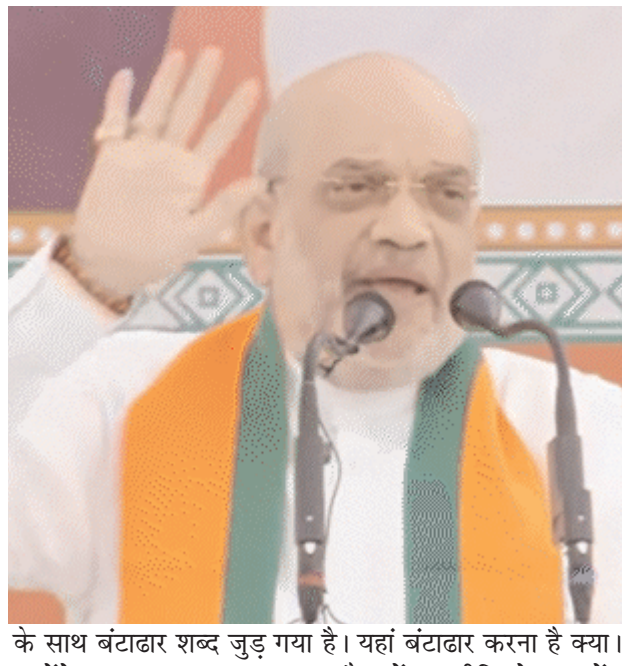

के साथ बंटाढार शब्द जुड़ गया है। यहां बंटाढार करना है क्या। उन्होंने कहा अब समय आ गया है इन्हें राजनीति से परमानेंट विदाई देने का। दिग्विजय की विदाई आपको करना है। आशिक का जनाजा है, जरा धूम से निकले। सम्मान जैसी लीड से हराकर उनकी विदाई करना। उन्हें घर पर बिठाने का काम राजगढ़ वाले करें, यही कहने आया हूं।

संबोधन के दौरान गुस्से में भी दिखे शाह

केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह शुक्रवार को राजगढ़ के खिलचीपुर में चुनावी सभा के दौरान मीडिया और पुलिसवालों पर गुस्सा करते दिखे। मीडियाकर्मियों से कहा- कैमरा फिक्स कर बैठ जाओ। फोटो-वीडियो नहीं आए तो चलेगा। वहीं पुलिसवालों को कभी जमीन पर बैठने तो कभी पंडाल से बाहर जाने तक कह दिया। दरअसल मीडियाकर्मी लगातार मंच के नीचे आवाजाही कर रहे थे। इस दौरान वे बार-बार फोटो-वीडियो ले रहे थे। यह देख शाह ने संबोधन रोककर कहा- अब फोन बंद करो, काहे के लिए इतना मचल रहे हो। वहीं भाषण के दौरान कुछ कार्यकर्ता पंडाल में खड़े हो गए, जिन्हें ड्यूटी पर तैनात पुलिसकर्मी बिठाने लगे। इस पर मंच से ही शाह ने कहा- भैय्या पुलिस वाले जरा बैठ आओ। जमीन पर ही बैठ जाओ। आप ही अव्यवस्था फैला रहे हो। खिलचीपुर में शुक्रवार सुबह 9 से 9:30 बजे तक तेज बारिश और आंधी चली। इससे केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह की सभा स्थल पर डोम के पीछे लगा टेंट उड़ गया। टेंट में लगा माइक भी गिर गया था।

टीकमगढ़ के निवाड़ी में काजल रैकवार एक माह के बच्चे के साथ मतदान करने शासकीय महाविद्यालय पृथ्वीपुर में बने बूथ पर अपने परिवार के साथ पहुंची।

पं. धीरेंद्र शास्त्री के भाई ने टोलकर्मियों को पीटा

छतरपुर में गाड़ी रोककर टोल मांगा तो साथियों के साथ हमला किया

विश्वास का तीर

बागेश्वर धाम के पीठाधीश्वर पंडित धीरेंद्र कृष्ण शास्त्री के भाई सौरव गर्ग उर्फ शालिग्राम शास्त्री ने छतरपुर में टोलकर्मियों से मारपीट की। टोल मांगने पर उसने अपने सहयोगियों के साथ हमला किया। पुलिस ने शालिग्राम शास्त्री समेत 10 के खिलाफ केस दर्ज किया है। सभी आरोपी फरार हैं। घटना छतरपुर के गुलगंज थाना क्षेत्र में सागर रोड स्थित मंगवारी टोल प्लाजा पर गुरुवार रात की है। एसपी अगम जैन ने बताया कि शालिग्राम देर रात अपने साथियों के साथ किसी शादी समारोह में शामिल होने जा रहा था। इसी दौरान टोल प्लाजा पर उसकी गाड़ी को रोककर टोल मांगा गया, इस बात पर वो भड़क गया और मारपीट कर दी। टोलकर्मियों ने जीतू तिवारी, लोकेश उर्फ शालिग्राम गर्ग का नाम बताया था। पुलिस ने 10 लोगों पर केस दर्ज किया है।

दलित परिवार की बेटी की शादी में की थी फायरिंग

शालिग्राम इससे पहले भी विवादों में रह चुका है। छतरपुर जिले के ही गढ़ा गांव में 11 फरवरी 2023 को अहिरवार समाज की बेटी

की शादी में शालिग्राम ने फायरिंग कर धमकाया था। दरअसल, परिवार ने बागेश्वर धाम के सामूहिक विवाह सम्मेलन में शादी के लिए आवेदन दिया था, लेकिन बाद में निजी कार्यक्रम करने का फैसला किया। इसका पता चलते ही रात करीब 12 बजे शालिग्राम अपने साथियों के साथ शादी समारोह में पहुंच गया। यहां उसने उत्पात मचाया और वहां मौजूद लोगों को धमकाया। वीडियो सामने आने के बाद पुलिस ने शालिग्राम के खिलाफ स्नढ्ढक्र दर्ज की थी।

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह के भोपाल दौरे का असर

दूसरे चरण की वोटिंग के बाद सीएम ने भाजपा ऑफिस में लिया फीडबैक

विश्वास का तीर

केन्द्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने मप्र में लोकसभा चुनाव के दूसरे चरण के मतदान के ठीक पहले भोपाल में रात्रि विश्राम किया। इस दौरान शाह ने मप्र में सत्ता और संगठन को वोटिंग बढ़ाने को लेकर हिदायत दी। शाह की नसीहत का असर देखने को मिला। सीएम डॉ. मोहन यादव मतदान खत्म होने के बाद देर शाम भाजपा कार्यालय पहुंचे। चुनाव कार्य में लगे बीजेपी के पदाधिकारियों के साथ चर्चा की। हालांकि सीएम ने कहा- कि कम वोटिंग प्रतिशत भी भाजपा के पक्ष में है। सीएम डॉ. मोहन यादव ने कहा- भारतीय जनता पार्टी के कार्यकर्ताओं ने दूसरे चरण के चुनाव में बढ़-चढ़कर भाग लिया। संगठन ने ताकत लगाकर जनता के बीच जागरूकता फैलाने का काम किया। मतदाताओं को निकालने का काम किया। मतदाताओं में जिस तरह से भाजपा के प्रति उत्साह दिखाई दिया। वो हमारे लिए ऊर्जा का केंद्र रहा और हमारी ताकत रही। आज रीवा, दमोह, टीकमगढ़, खजुराहो, होशंगाबाद, सतना में चुनाव हुआ। वोटिंग प्रतिशत के आंकलन के आधार पर भाजपा अच्छी स्थिति में है। सभी सीटें भाजपा जीतने वाली है। 12 सीटों पर अभी तक मतदान हुआ है। 12 सीटों का रुझान जो भाजपा के पक्ष में गया है। यह उत्साह बढ़ाने वाला है... एक तरह से नए रिकॉर्ड बनाने वाला है।

सुप्रीम कोर्ट का निर्णय विपक्ष पर करारा तमाचा है: डॉ. यादव

ईवीएम से संबंधित सुप्रीम कोर्ट के निर्णय पर मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा कि सुप्रीम कोर्ट ने बड़ा निर्णय किया। ईवीएम के माध्यम से होने वाले निर्वाचन को लेकर के फैसला लिया है। यह विपक्ष पर करारा तमाचा है। विपक्ष के लोग जिस ढंग से बात करते थे। विपक्ष अपने हार का ठीकरा कभी चुनाव आयोग पर डालता है, कभी किसी पर डालता है।

2014 की तुलना में बढ़ा मतदान

चुनाव प्रबंधन से जुड़े लोगों ने सीएम को बताया कि इस बार का मतदान प्रतिशत पिछले 2019 के चुनाव की तुलना में जरूर कम है। लेकिन, 2014 के लोकसभा चुनाव की तुलना में कुछ सीटों पर ज्यादा मतदान हुआ है। सीट वार तीनों चुनावों के मतदान की रिपोर्ट भी बैठक में दिखाई गई।

खजुराहो में विपक्ष ही नहीं, इसलिए कांग्रेस के मूल वोटर ने मतदान नहीं किया

बीजेपी नेताओं की मानें, तो मप्र में दूसरे चरण में हुए मतदान में तीन सीटों पर विपक्ष की स्थिति कमजोर थी। खजुराहो में मुख्य विपक्षी दल यानि कांग्रेस का उम्मीदवार ही चुनाव मैदान में नहीं था। ऐसे में कांग्रेस के मूल मतदाता वोट डालने में उदासीन रहे। वहीं, टीकमगढ़ और दमोह में भी कांग्रेस को बीजेपी कमजोर मानकर चल रही है।

रीवा में एक लाख मुंडन के कार्यक्रम

बीजेपी कार्यालय में हुई चर्चा में सामने आया कि रीवा लोकसभा क्षेत्र में शुक्रवार के दिन ही पूर्व निर्धारित मुहूर्त के अनुसार करीब एक लाख मुंडन संस्कार के कार्यक्रम थे। ऐसे में लोग इसमें व्यस्त होने के चलने कम लोग ही मतदान करने आए।

शहर में पहली बार हो रहा ट्रांसजेंडर्स का फैशन शो

विश्वास का तीर

शहर में पहली बार ट्रांसजेंडर्स का फैशन शो होने जा रहा है। यह फैशन शो आज शाम 7 बजे 10 नंबर मार्केट स्थित राग भोपाली परिसर में होगा। सहायक नोडल अधिकारी रितेश शर्मा ने बताया कि इस फैशन शो में महिलाओं के साथ साथ किन्नर समुदाय पहली बार भोपाल में सार्वजनिक मंच पर फैशन शो में शामिल होंगे। आयोजकों के अनुसार ट्रांसजेंडर्स एवं महिलाओं का संयुक्त फैशन शो समावेशी और सुगम मतदान का संदेश देगा। जिला प्रशासन द्वारा आयोजित इस शो में ट्रांसजेंडर के गुरु सुरैया नायक रेम्प पर वॉक करेंगी। मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी भी होंगे शामिल इस कार्यक्रम में अनुपम राजन मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी म प्र शामिल होंगे, मंच पर कलेक्टर भोपाल कौशलेंद्र विक्रम सिंह, अपर कलेक्टर रितुराज ओर स्टेट स्वीप आइकॉन संजना सिंह भी रहेंगी । फैशन शो में शहर के विभिन्न फैशन मॉडल सहित , ट्रांसजेंडर सम्मिलित होंगे जो एक साथ एक ही मंच पर रैंप वॉक करेंगे तथा समानता के संदेश के साथ साथ लोगो से मतदान करने की अपील करेंगे।

2019 में इन पर मतदान 70.05 प्रतिशत था

13 राज्यों की 88 सीटों पर 67.98 प्रतिशत वोटिंग

विश्वास का तीर

18वीं लोकसभा के चुनाव के लिए सेकेंड फेज में शुक्रवार 26 अप्रैल को 13 राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों की 88 सीटों पर 67.98 प्रतिशत वोटिंग हुई। त्रिपुरा में सबसे ज्यादा करीब 79.66 प्रतिशत वोटिंग हुई। महाराष्ट्र में 59 प्रतिशत, बिहार 57 प्रतिशत और उत्तर प्रदेश मे सबसे कम 54 प्रतिशत के आसपास मतदान हुआ। 2019 के आम चुनावों में इन सीटों पर 70.05 प्रतिशत मतदान हुआ था। दूसरे चरण की वोटिंग के साथ ही 11 राज्य और 3 केंद्र शासित प्रदेशों में लोकसभा की सभी सीटों पर वोटिंग पूरी हो गई। जहां वोटिंग पूरी हो गई उन राज्यों में राजस्थान, तमिलनाडु, केरल, अरुणाचल प्रदेश,मणिपुर, मेघालय, मिजोरम, नगालैंड, सिक्किम, त्रिपुरा,उत्तराखंड शामिल हैं। इसके अलावा तीन केंद्रशासित प्रदेश अंडमान निकोबार, लक्षद्वीप, पुडुचेरी में भी वोटिंग पूरी हो गई है। इससे पहले 19 अप्रैल को पहले फेज की 102 सीटों पर वोटिंग हुई थी। आज के बाद 5 फेज की वोटिंग 1 जून को खत्म होगी। 4 जून को नतीजे आएंगे।

सेकेंड फेज की वोटिंग की प्रमुख घटनाएं

वोटिंग के दौरान मणिपुर के उखरुल से एक वीडियो सामने आया था, जिसमें कुछ संदिग्ध एक बूथ के अंदर घुस आए। कांग्रेस नेता जयराम रमेश ने आरोप लगाया कि लोकतंत्र को हाईजैक किया गया। छत्तीसगढ़ के गरियाबंद जिले में बूथ पर ड्यूटी के दौरान एक पुलिसकर्मी ने खुद को गोली मार ली। वह मध्य प्रदेश का रहने वाला है। तृणमूल कांग्रेस ने आरोप लगाया कि बंगाल की दो लोकसभा सीटों बालूरघाट और रायगंज में सेंट्रल फोर्सेस महिलाओं को वोटिंग से रोकी। बालूरघाट में बंगाल भाजपा अध्यक्ष सुकांत मजूमदार और तृणमूल वर्कर्स के बीच झड़प भी हुई।

पिछले चुनाव में सेकेंड फेज में एनडीए को 58 और कांग्रेस को 21 सीटें मिली थीं

2019 में सेकेंड फेज की सीटों पर सबसे ज्यादा भाजपा को 50 और एनडीए के सहयोगी दलों ने 8 सीटें जीती थीं। कांग्रेस के खाते में 21 सीटें गईं थीं। अन्य को 9 सीटें मिली थीं। एडीआर की रिपोर्ट के मुताबिक, 14 फीसदी यानी 167 ऐसे उम्मीदवार हैं, जिन पर गंभीर मामले दर्ज हैं। गंभीर मामलों में हत्या, किडनैपिंग जैसे अपराध शामिल होते हैं। 3 उम्मीदवारों पर हत्या और 24 पर हत्या की कोशिश के मामले दर्ज हैं। 25 उम्मीदवारों पर महिलाओं के खिलाफ अपराध के मामले दर्ज हैं। इनमें से एक पर रेप का मामला भी दर्ज है। वहीं, 21 कैंडिडेट्स पर हेट स्पीच से जुड़े मामले दर्ज हैं।

केरल के 3 कैंडिडेट्स पर सबसे ज्यादा क्रिमिनल केस

केरल के भाजपा अध्यक्ष और वायनाड सीट से उम्मीदवार के. सुरेंद्रन पर सबसे ज्यादा 243 आपराधिक मामले दर्ज हैं। वहीं, राज्य की ही एर्नाकुलम सीट से भाजपा कैंडिडेट डॉ. के.एस. राधाकृष्णन पर 211 आपराधिक मामले दर्ज हैं। तीसरे नंबर पर इडुक्की सीट से कांग्रेस उम्मीदवार डीन कुरियाकोस पर 88 आपराधिक मामले दर्ज हैं।

33 फीसदी उम्मीदवार करोड़पति

एडीआर के मुताबिक, सेकेंड फेज में 1,192 उम्मीदवारों में से 390 यानी 33 फीसदी उम्मीदवार करोड़पति हैं। इनके पास एक करोड़ या उससे ज्यादा की संपत्ति है। कैंडिडेट्स के पास औसत संपत्ति 5.17 करोड़ रुपए है। 6 उम्मीदवारों ने अपनी संपत्ति शून्य बताई है, जबकि तीन के पास 300 से 1,000 रुपए की संपत्ति है। महाराष्ट्र के नांदेड़ से निर्दलीय उम्मीदवार लक्ष्मण नागोराव पाटिल के पास कुल संपत्ति 500 रुपए है। केरल के कासरगोड़ से राजेश्वरी केआर ने 1000 रुपए और महाराष्ट्र के अमरावती से पृथ्वीसम्राट मुकींद्राव दीपवंश ने 1,000 रुपए की कुल संपत्ति घोषित की है। तिरुवनंतपुरम सीट पर तीन बार से कांग्रेस सांसद शशि थरूर के सामने भाजपा ने केंद्रीय मंत्री राजीव चंद्रशेखर को टिकट दिया है। राजीव 2006 से राज्यसभा के सदस्य हैं। 2018 में उन्हें तीसरी बार राज्यसभा के लिए चुना गया और 2021 में केंद्रीय मंत्री बनाया गया। उनका पैतृक घर त्रिशूर जिले में है, हालांकि उनका जन्म अहमदाबाद में हुआ था। शशि थरूर ने करीब 29 साल तक ह में काम कर चुके हैं। भारत सरकार ने शशि का नाम ह महासचिव पद के लिए रखा था। चुनाव में वे दूसरे स्थान पर रहे। इसके बाद उन्होंने ह से इस्तीफा दे दिया और 2009 में राजनीति में आ गए। वे मनमोहन सिंह सरकार में विदेश राज्य मंत्री और मानव संसाधन विकास राज्य मंत्री रहे हैं। कोटा से भाजपा के उम्मीदवार 17वीं लोकसभा के अध्यक्ष ओम बिड़ला हैं। वे पिछले दो बार से जीत रहे हैं। इससे पहले कोटा दक्षिण से तीन बार विधायक भी रहे हैं। वहीं, कांग्रेस ने दो बार भाजपा विधायक रहे प्रह्लाद गुंजल को उतारा है। वे 21 मार्च को ही भाजपा छोड़कर कांग्रेस में शामिल हुए हैं। वसुंधरा राजे के करीबी गुंजल कोटा-बूंदी, भीलवाड़ा, टोंक-सवाई माधोपुर से टिकट मांग रहे थे। टिकट न मिलने पर वे कांग्रेस में आ गए। भाजपा की ओर से केंद्रीय मंत्री गजेंद्र सिंह चुनाव मैदान में हैं। वे पिछले दो बार से जीतते आ रहे हैं। यहां की आठ विधानसभा सीटों में से सात पर भाजपा का कब्जा है। जोधपुर पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत का गृह नगर है। वे यहां से पांच बार सांसद रहे हैं, लेकिन 2019 के चुनाव में उनके बेटे वैभव यहां से हार गए थे। कांग्रेस ने इस सीट पर करण सिंह उचियारड़ा को उतारा है। वे राज राजेश्वरी आशापूर्णा मंदिर ट्रस्ट के अध्यक्ष हैं। वे जोधपुर बिल्डर्स एंड डेवलपर्स एसोसिशन के अध्यक्ष भी रह चुके हैं। बाड़मेर सीट पर त्रिकोणीय मुकाबला देखने को मिल रहा है। भाजपा की तरफ से केंद्रीय मंत्री कैलाश चौधरी मैदान में हैं। वे 2019 में यहां से पहली बार संसद पहुंचे थे। वहीं, कांग्रेस ने उम्मेद राम बेनीवाल को टिकट दिया है। राष्ट्रीय लोकतांत्रिक पार्टी (ऋक्क) प्रमुख हनुमान बेनीवाल के करीबी रहे उम्मेद राम बेनीवाल करीब 1 महीने पहले ही कांग्रेस में शामिल हुए हैं। तीसरी ओर रविंद्र सिंह भाटी भी निर्दलीय ताल ठोंक रहे हैं। भाजपा ने मेरठ सीट से अरुण गोविल को मैदान में उतारा है। 'रामायण' सीरियल में भगवान राम की भूमिका निभाने वाले अरुण को तीन बार से सांसद राजेंद्र अग्रवाल का टिकट काट कर प्रत्याशी बनाया गया है। वहीं, सपा की ओर से सुनीता वर्मा को मैदान में उतारा गया है।

स्वत्वाधिकारी, मुद्रक, प्रकाशक एवं सपांदक आपयुष राजपूत द्वारा कविता आर्फसेट प्रिंटर्स, एमपी नगर जोन -1 भोपाल (म. प्र.) से मुद्रित एवं 1209 पुष्पा नगर चांदबड़, भोपाल (म.प्र.) से प्रकाशित। संपादक- आपयुष राजपूत, मो.7247257823, 7999252366 (प्रति शुक्रवार को प्रकाशित) समाचारों से संपादक का सहमत होना जरूरी नहीं। (सभी विवादों का न्याय क्षेत्र भोपाल रहेगा।) RNI.NO MPHIN/2022/83636